PC-427
(414) M.A. HINDI(FOURTH SEMESTER)
Examination June 2020
Compulsory
Group-
Paper -II
CHHAYAVADOTTAR KAVYA

Time:- Three Hours] **[Maximum Marks: 080**
[Manimum Pass Marks:29

नोट :दोनों खण्डों से निर्देशानुसार उत्तर दीजिए। प्रश्नों के अंक उनके दाहिनी ओर अंकित है
Note: Answer From Both the Section as Directed.The Figures in the right-hand margin indicate marks.

खण्ड – अ

प्रश्न 1 निम्नलिखित में से किन्हीं दस वस्तुनिष्ठ प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 1×10

1. अज्ञेय जी का पूरा नाम क्या है?
2. अज्ञेय जी की दो कविताओं के नाम लिखिए जो आपके पाठ्यक्रम में संकलित है।
3. मुक्ति बोध जी का पूरा नाम क्या है?
4. मुक्तिबोध की कौन–सी कविता आपके पाठ्यक्रम में है?
5. नागार्जुन का पूरा नाम क्या है?
6. नागार्जुन की दो कविताओं के नाम लिखिए जो आपके पाठ्यक्रम में संकलित हैं।
7. इकाई–04 के अंतर्गत सामान्य अध्ययन हेतु किन–किन कवियों को शामिल किया गया है?
8. 'धूमिल' का पूरा नाम क्या है?
9. रधुवीर सहाय कौन से सप्तक के कवि है?
10. दुष्यंत कुमार का मूल नाम लिखिए।
11. प्रयोगवाद के प्रवर्तक का नाम लिखिए।
12. 'अकाल और उसके बाद' किसकी रचना है?
13. मुक्तिबोध छत्तीसगढ़ के किस महाविद्यालय में प्राध्यापक के रूप में कार्य किए?
14. श्रीकांत वर्मा का जन्म किस शहर में हुआ था?
15. राष्ट्रीय काव्यधारा के किन्हीं दो कवियों के नाम लिखिए।

प्रश्न 2 निम्नलिखित में से किन्हीं पाँच लघुउत्तरीय प्रश्नों के उत्तर दीजिए। 2×5

1. राष्ट्रीय काव्यधारा.
2. नई कविता.
3. छायावादोत्तर काव्य.
4. फैन्टेसी.
5. प्रयोगवाद.
6. श्रीकांतवर्मा का कृतित्व.
7. समकालीन कविता में धूमिल का स्थान.
8. दूसरे तार सप्तक के चार कवियों के नाम लिखिए।
9. धूमिल की दो रचनाओं के नाम का उल्लेख कीजिए।
10. 'असाध्य वीणा' कविता का भावार्थ संक्षेप में लिखिए।

खण्ड – ब

सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए–

3 (क). निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 7

" हम नदी के द्वीप हैं।
हम नहीं कहते कि हमको छोड़कर
स्त्रोतस्विनी बह जाए
वह हमें आकर देती है।
हमारे कोण, गलियाँ अन्तरीय, उभार
सैकत कूल।
सब गोलाइयाँ उसकी गढ़ी हैं।
माँ है वह! है, इसी से हम बने हैं।"

अथवा

"आओ बैठें
इसी ढ़ाल की
हरी घास पर।
माली–चौकीदारों का यह समय नहीं है,
और धास तो,
अधुनातन मानव मन की भावना की तरह
सदा बिछी है–हरी न्यौतती
कोई आकर रौंदे
आओ बैठो!"

(ख) अज्ञेय जी के प्रकृति चित्रण की विशेषताएँ लिखिए। 8

अथवा

अज्ञेय जी के काव्य में संवेदना एवं शिल्प की विवेचना कीजिए।

4(क) निम्नलिखित की संप्रसंग व्याख्या कीजिए। 7

" अरे!अरे!!
तालाब क आस–पास अँधेरे में वन–वृक्ष
चमक–चमक उठते हैं हरे–हरे अचानक वृक्षों के शीशे पर नाच–नाच उठती हैं
बिजलियाँ,
शाखाएँ, डालियाँ झूमकर झपटकर
चीख, एक दूसरे पर पटकती हैं सिर कि अकस्मात–
वृक्षों के अँधेरे में छिपी हुई किसी एक, तिलस्मी खोह का शिला–द्वार खुलता है धड़ से।"

अथवा

" एकाएक टूट गया स्वप्न व छिन्न–भिन्न हो गये
सब चित्र
जागते में फिर से याद आने लगा वह स्वप्न
फिर से याद आने लगे अँधेरे में चेहरे,
और, तब मुझे प्रतीत हुआ भयानक
गहन मृतात्माएँ इसी नगर की
हर रात जुलूस में चलती,

परंतु दिन में
बैठती है मिलकर करती हुई, षडयंत्र
विभिन्न दफ्तरों–कार्यालयों, केन्द्रों में,
घरों में। ''

(ख) 'मुक्तिबोध नयी कविता के प्रतिनिधि कवि हैं।' सोदाहरण समझाइए। 8

अथवा

मुक्तिबोध की काव्यगत विशेषताओं को लिखिए।

5. (क) निम्निलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए– 7

'' अमल धबलगिरी के शिखरों पर
बादल को घिरते देखा है।
छोटे–छोटे मोती जैसे
उसके शीतल तुहिन कणों को ,
मनसरोवर के उन स्वर्णिम
कमलों पर गिरते देखा है
तुंग हिमालय के कंधों पर
छोटी बड़ी कई झीलें हैं,
उनके श्यामल नील सलिल में,
समतल देशों से आ आकर
पावस की ऊमस से आकुल
तिक्त मधुर बिस तंतु खोजते
हंसों को तिरते देखा है
बादल को घिरते देखा है।''

अथवा

कई दिनों तक चुल्हा रोया, चक्की रही उदास,
कई दिनों तक कानी कुतिया सोई उनके पास,
कई दिनों तक लगी भीत पर छिपकलियों की गश्त,
कई दिनों तक चूंहों की भी हालत रही शिकस्त।''

(ख) नागार्जुन के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 8

अथवा

नागार्जुन के काव्य की विशेषताएँ लिखिए।

6.(क)धर्मवीर भारती के व्यक्तित्व और कृतित्व पर प्रकाश डालिए। 7

अथवा

प्रगतिवाद या प्रयोगवाद की विशेषताएँ लिखिए।

(ख)'रधुवीर सहाय की कविताओं में जीवन के यथार्थ चित्रण हुआ हैं।' इस कथन की समीक्षा कीजिए। 8

अथवा

किन्हीं दो राष्ट्रीय काव्यधारा के कवियों के कृतित्व पर प्रकाश डालिए।